

कक्षा : आठ गतिविधि
परिचय

पूरक पाठ्यपुस्तक	भारत एक खोज
पाठ	दो पृष्ठभूमियाँ - भारतीय और अंग्रेज़ी
शीर्षक	जब श्रवण कीजो, तब कलम भीजो
समय	दो कालाँश
प्रकार	व्यक्तिगत
विद्यार्थी संख्या	व्यक्तिगत तौर पर
कौशल	श्रवण
आवश्यक सामग्री	कागज़, कलम, रंगीन कलम, कार्यपत्र ।

चरण:-

1.शैक्षिक अधिगम:-

- विद्यार्थी संवाद लेखन एवं उसके वाचन की विधा से परिचित हो सकेंगे ।
- उनमें सृजनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का विकास होगा ।
- वे भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे ।
- उनमें शुद्ध एवं प्रभावोत्पादक लेखन-वाचन के स्तर में वृद्धि होगी ।

2.अध्यापिका गतिविधि :-

- अध्यापिका के निर्देशानुसार:-
 - 1.संवाद-लेखन हेतु सभी विद्यार्थी दो-दो विद्यार्थियों के समूह बनाएंगे ।
 - 2.यह काल्पनिक संवाद 'भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और अंग्रेजी शासक' के मध्य होगा ।
 - 3.भाषा सरल, व्यवहारिक एवं प्रभावशाली होनी चाहिए लेकिन ध्यान रहे भाषा विषय एवं पात्रों के अनुकूल भी हो ।
 - 4.दोनों पात्रों के कम से कम पाँच-पाँच संवाद अवश्य हों ।
 - 5.प्रत्येक समूह बारी-बारी से अपने लिखित संवाद का वाचन कक्षा में प्रस्तुत भी करेगा ।
 - 6.अध्यापिका के निर्देशानुसार प्रत्येक समूह संवाद लिखकर मौखिक रूप से कक्षा में प्रस्तुत करेगा ।
- अध्यापिका अंत में निर्धारित प्रारूप के आधार पर उनकी संवाद-प्रस्तुति का मूल्यांकन करेंगी ।
- गतिविधि के पश्चात विद्यार्थियों को कार्यपत्र करने के लिए दिया जाएगा ।

3.छात्र गतिविधि :-

- दो-दो विद्यार्थियों का प्रत्येक समूह "भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और अंग्रेजी शासक" के मध्य हुए काल्पनिक संवादों को कलमबद्ध करेगा ।
- प्रत्येक समूह बारी-बारी से अपने संवाद कक्षा में प्रस्तुत भी करेगा ।
- अंत में विद्यार्थी मूल्यांकन हेतु अपने संवाद की लिखित प्रस्तुति अध्यापिका को देंगे।
- विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे ।

4. मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ : दो पृष्ठ भूमियाँ - भारतीय और अंग्रेज़ी

गतिविधि : जब श्रवण कीजो, तब कलम भीजो

विद्यार्थी का नाम :

अनुक्रमांक :

अच्छा संवाद लिखने के लिए कोई चार महत्वपूर्ण बातें :

